>

Title: Regarding organ donation.

श्री अनुभव मोहंती (केन्द्रपाड़ा): सभापति महोदया, मैं सबसे पहले माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी के लिए शुभकामना व्यक्त करना चाहूंगा कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी उनको आशीर्वाद दें, जिससे वे जल्दी ही स्वस्थ होकर, कोविड को हराकर हमारे साथ इस सदन में आएं ।

मैडम, सुना है और कहा जाता है कि कई जन्मों के तप के बाद मनुष्य का जन्म प्राप्त होता है । भगवान ने भी जब-जब अवतार लिया है, तब-तब उनको अपना शरीर त्यागना पड़ा है । हम लोग मनुष्य हैं और जो पैदा होता है, उसको एक न एक दिन जाना भी है ।

मैं आपके माध्यम से एक ऐसे विषय की मांग रखना चाहूंगा और पूरे सदन में जितने भी साथी मौजूद हैं और जो साथी नहीं भी हैं, वह विषय यह है कि अंग दान एक बहुत बड़ा दान होता है । हिन्दुस्तान में आज की तारीख में अंगदान से एक बॉडी से 40 मेडिकल स्टूडेंट्स को पढ़ने के लिए मिलता है, एक्सपेरिमेंट करने के लिए मिलता है, जबकि वह 1:5 होने से उनको अच्छी एजुकेशन मिल जाएगी और वे नए-नए तरीके के एक्सपेरिमेंट्स कर पाएंगे । आपको जानकर खुशी होगी कि पिछले साल 26 नवंबर को नेशनल ऑर्गन डोनेशन डे था, तब मैंने खुद को as an organ donor रजिस्टर किया था । I am a proud organ donor. मैंने अपने ऑर्गन्स डोनेट किए हैं । इसी सदन में जब एक बार इस पर सवाल चल रहा था तो मेरा मन किया कि मैं माननीय मंत्री हर्ष वर्धन जी को जाकर प्रस्ताव दूं कि इसको कैसे लागू करें और मेंडेटरी करें तथा इस पर कोई प्राइवेट मैम्बर बिल लाएं ।

मैडम, आप सबको जानकर खुशी होगी कि माननीय डॉक्टर हर्षवर्धन जी और उनकी अर्धांगिनी दोनों ने कई सालों पहले अपने ऑर्गन्स डोनेट करने के

लिए रजिस्टर करवाया है । उससे कुछ दिन पहले, एक-दो महीने पहले ही, वे अपनी माता जी के देहांत के बाद अपनी मां का शरीर मेडिकल कॉलेज में देकर आए थे । हमारे लिए इससे बड़ी क्या इंस्पिरेशन हो सकती है । मैं आपके माध्यम से सभी को यह बोलना चाहूंगा कि हम दुनिया में आए हैं तो जाना पड़ेगा, लेकिन अगर हम अपना अंगदान करें तो इस सोच के साथ जी सकते हैं कि मरने के बाद भी हम किसी के अंदर जिंदा हैं और हम किसी को खुशी दे सकते हैं ।

माननीय सभापति : आपको बहुत-बहुत धन्यवाद । हम लोग भी पूरे ऑर्गन्स दो साल पहले दान कर चुके हैं ।

श्री अनुभव मोहंती: मैडम, थैंक्यू सो मच, क्योंकि आपने भी ऑर्गन्स दान किए हैं । यह हमारे लिए गर्व की बात है । आप इस क्षेत्र में आगे आई हैं, हमारे लिए इससे बड़ा सौभाग्य और गर्व की बात क्या हो सकती है । मैं आपके माध्यम से सभी सांसद साथियों को बोलना चाहूंगा कि हम सब आगे आएं और खुद को अपना ऑर्गन्स डोनेट करने के लिए रजिस्टर करें । पूरी दुनिया के सामने एक मिसाल कायम करें कि हिंदुस्तान के सांसदों ने अपने ऑर्गन्स डोनेट करके लोगों के जीवन को बचाया है । मैडम, एक इंसान अंगदान से आठ लोगों को जीवनदान दे सकता है । यह बात सभी को जानना जरूरी है ।

माननीय सभापति : आप किसी और के लिए समय दान कीजिए ।

श्री अनुभव मोहंती: मैडम, धन्यवाद । वंदे मातरम, जय हिंद ।